Prabhat Khabar (Date: - 20/09/2019)

एक रुपया देकर वसुधा केंद्र पर बन सकते हैं मतदाता

- 29 हजार वसुधा केंद्र करेंगे मदद

संवाददाता ▸ पटना

वसुधा केंद्रों पर एक रुपये देकर अब राज्य के मतदाता अपना नाम मतदाता सूची में शामिल करा सकते हैं. राज्य के 29 हजार वसुधा केंद्रों पर मतदाताओं को सूची में नाम शामिल कराने के लिए ऑनलाइन आवेदन की सुविधा दी गयी है. वसुधा केंद्र इस काम में मतदाताओं को मदद करेंगे. इपिक प्रिंटिंग का काम भी वसुधा केंद्रों पर ही किया जायेगा. मतदाताओं के लिए हर सेवा की अलग- अलग दर निर्धारित कर दी गयी है. बिहार में मतदाता सूची के पुनरीक्षण का काम 15 अक्तूबर से किये जाने का कार्यक्रम निर्धारित किया गया है.

वसुधा केंद्रों पर मतदाता द्वारा फार्म छह में आवेदन पत्र के साथ नाम शामिल कराने के लिए ऑनलाइन आवेदन करने पर जीएसटी के साथ मात्र एक रुपये का शुल्क निर्धारित किया गया है. इसी तरह से अप्रवासी भारतीयों को मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने के लिए फार्म छह ए में आवेदन को ऑनलाइन जमा कराने के लिए भी एक रुपये का शुल्क निर्धारित किया गया है. मतदाता सूची से नाम हटाने के लिए फार्म सात में आवेदन अपलोड करने का शुल्क एक रुपया, मतदाता सूची में नाम और पता के संशोधन के लिए आवेदन पत्र फार्म आठ के भरने और अपलोड का शुल्क एक रुपया. इसी तरह नाम, बूथ संख्या, आवेदन की स्थिति, शिकायत की स्थिति, बीएलओ, डीइओ, इआरओ व सीइओ के पते की खोज करने के लिए एक रुपये का शुल्क निर्धारित किया गया है. आवेदन के ट्रैक करने, इपिक पर फोटो बदलने, फोटो का वेब कैमरा से तस्वीर लेने पर एक रुपया और उस तस्वीर को अपलोड करने पर अलग से एक रुपये देनें होंगे.

Prabhat Khabar (Date: - 20/09/2019)

2 से स्कूलों में रोजाना प्रार्थना के बाद जानेंगे बापू के विचार

संवाददाता ▷ पटना

राज्य के सभी सरकारी स्कूलों में दो अक्तूबर से रोजाना प्रार्थना के बाद गांधी कथा वाचन किया जायेगा.कथा वाचन के लिए दो विशेष पुस्तकों 'एक था मोहन 'और 'बापू की पाती' का विशेष तौर पर स्कूलों को मुहैया करायी जा रही है. शिक्षा विभाग ने इसकी तैयारी कर ली है.

आधिकारिक जानकारी के मुताबिक गांधी कथा वाचन के लिए दोनों पुस्तकें छाप कर प्रदेश के सभी संबंधित स्कूलों में पहुंचा दी गयी हैं. दोनों किताबों को स्कूली बच्चों के लिए रुचिकर और सरल भाषा में लिखा गया है. नये रूप में इन किताबों को प्रतिष्ठित गांधीवादी सोपान जोशी ने लिखी हैं. यह किताबें चंपारण सत्याग्रह शताब्दी समारोह के समय बिहार सरकार ने तैयार करायी थी. किताब में सोमेश कुमार नाम के चित्रकार ने आकर्षक चित्र बनाये हैं. इसके जरिये किताब के मर्म को अच्छे से समझने में बच्चों को सहूलियत होगी. इन किताबों के वाचन के लिए प्रत्येक स्कूल में दो विशेष शिक्षकों को प्रशिक्षित किया गया है. प्रार्थना के बाद वे शिक्षक बच्चों को दोनों किताबों का पाठ करायेंगे. पूरे प्रदेश में बीस हजार से अधिक शिक्षकों को प्रशिक्षित किया गया है. इस तरह प्रदेश के ढाई करोड़ बच्चे रोजाना गांधी के विचारों को आत्मसात करेंगे. यह समूची कवायद स्कूलों में होने वाली नियमित प्रार्थना के बाद होगी.

इधर गांधी जयंती पर पटना स्थित ज्ञान भवन में प्रस्तावित विशेष आयोजन में विद्वानों के बीच चालीस-चालीस मिनट के संवाद होंगे. इनके लिए प्रदेश के केंद्रीय विश्वविद्यालयों एवं परंपरागत विश्वविद्यालयों से विशेष स्कॉलर आमंत्रित किये जा रहे हैं. इसमें नालंदा विश्वविद्यालय के 15 विद्यार्थी भी बुलाये गये हैं.

Prabhat Khabar (Date: - 20/09/2019)

आनंद को अमेरिका में मिला द एजुकेशन एक्सीलेंस अवॉर्ड

पटना. आइआइटी प्रवेश परीक्षा की तैयारी कराने वाली कोचिंग संस्था 'सुपर 30' के संस्थापक और गणित के जाने-माने शिक्षक आनंद कुमार को अमेरिका में शिक्षण से जुड़े एक प्रतिष्ठित पुरस्कार से नवाजा गया है. यह पुरस्कार उन्हें जरूरतमंद विद्यार्थियों को शिक्षा मुहैया कराने में दिये गये उनके योगदान के लिए दिया गया. आनंद कुमार को 'फाउंडेशन फॉर एक्सीलेंस' (एफइइ) संगठन ने 'द एजुकेशन एक्सीलेंस अवॉर्ड 2019' पुरस्कार से नवाजा. इस संगठन के 25 वर्ष पूरे होने के मौके पर कैलिफोर्निया के सैन जोस में हुए एक समारोह में कुमार को पुरस्कार दिया गया. आनंद ने इस कार्यक्रम में कहा कि लोगों तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की पहुंच होने से विश्व में बड़ा बदलाव आयेगा, क्योंकि इससे गरीबी, बेरोजगारी, जनसंख्या विस्फोट, पर्यावरण क्षरण सहित कई अन्य समस्याओं को सुलझाने में मदद मिलेगी.